कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा

द्वारा

अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय/क्षेत्रीय आधुनिक/समकालीन मूर्तिकला शिविर/सिम्पोज़ियम

"खग–संग तराश प्रसंग 2023"

1. नाम : .....
2. पिता का नाम : .....
3. माता का नाम : .....
4. आयु : .....
5. विधा मूर्तिकला (माध्यम) धातु, पत्थर, लकड़ी, सीमेंट : .....
6. कला महाविद्यालय/वि.वि./कॉलेज/संस्थान/अन्य का नाम : .....
7. शैक्षणिक योग्यता (बी.एफ.ए., एम..एफ.ए., मूर्तिकला या अन्य किसी विषय में एम.ए.) .....
8. स्थाई/वर्तमान पता : .....
9. राज्य का स्थाई निवास प्रमाण पत्र : .....
10. दूरभाष नं0/मोबाईल नं0/ईमेल आई.डी. : .....
11. शहर/जिला/राज्य/यू.टी. (हरियाणा या अन्य) : .....
12. आधार नं0 : .....
13. पैन नं0 : .....
14. बैंक का नाम/खाता संख्या/आई.एफ.एस.सी. कोड : .....
15. मूर्तिशिल्पों की सत्यापित फोटो संलग्न शीट अथवा अलग से लगाएं। : .....

- उपरोक्त उक्त सभी बिन्दुओं अनुसार सभी दस्तावेजों की सत्यापित फोटो प्रति संलग्न करें।
- आधे–अधूरे आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोटः

- शिविर में बनाए जाने वाले प्रस्तर (विषय) मूर्तिशिल्प पक्षियों की आकृति पर आधारित होंगे। ये मूर्त/अमूर्त दोनों रूप में सौंदर्यप्रद होंगे एवं बाह्य क्षेत्र में स्थाई रूप से प्रदर्शित किए जाएगें।
- मूर्तिशिल्प पब्लिक आर्ट के रूप में स्थाई रूप से बाह्य क्षेत्र में प्रदर्शित किए जाने हैं। इसलिए उनका डिज़ाईन/आकार तकनीकी दृष्टि से सुडौल व मजबूत होना अनिवार्य है।
- कलाकार अपनी प्रस्तावित ड्राईंग, Maquette, Concept Note, संलग्न कर सकते हैं। इस पर विचार किया जाएगा।
- मूर्तिशिल्पों में पक्षी की आकृति के साथ–साथ हरियाणवी संस्कृति का संयोजन भी किया जा सकता है। (यह चट्टान के साईज़/आकार पर निर्भर करता है) अनुमानित 10X3X5 फुट या छोटा बड़ा।
- मूल रूप से ब्लैक मैंसलाना/मकराना/ककरौली/बंसीपहाड़पुर/जैसलमैर/खावड़ा/ धांगधरा/वारंगल/करीमनगर/ कमम्म/राजगिरी गुट्टा आदि किसी एक से लगभग 10 से 12 फुट की कोई भी पत्थर की चट्टान उपलब्ध करवाई जाएगी।
- शिविर की अवधि अनुमानित 30 दिन की है। तकनीकी दृष्टि से 2 से 5 दिन कम–ज्यादा हो सकते हैं। निर्धारित समय में कार्य पूरा करना होगा।
- अच्छा प्रदर्शन करने पर निरन्तर विभाग द्वारा आयोजित अन्य दृश्य कला कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा।
- यदि आवेदक चयन उपरान्त शिविर के दौरान अभद्र व्यवहार/टिप्पणी एवं अन्य किसी प्रकार के नियमों व अधिकारी आदेशों का पालन नहीं करता है तो उसके आवेदन को रदद कर दिया जाएगा। शिविर में अनुशासन का पालन करना अनिवार्य होगा।
- प्रतिभागी कलाकार अपने मशीन टूल, औजार व अन्य आवश्यक सामग्री अपनी आवश्यकता अनुसार स्वयं साथ लेकर आएगा। विभाग केवल निर्धारित ब्लेड, डिस्क एवं अन्य विशेष तकनीकी सामग्री देगा।
- प्रतिभागी कलाकार पत्थर में काम करने से पहले अपनी ड्राईंग कॉन्सेप्ट व Maquette कला एवं सांस्कृतिक अधिकारी (मूर्तिकला) से विचार–विमर्श उपरान्त सहमति अनुसार ही आगे कार्य करेगा।
- आधा–अधूरा मूर्तिशिल्प अस्वीकार्य होगा। यदि निर्धारित समय में मूर्तिशिल्प पूरा नहीं होता तो कलाकार स्वयं अपने खर्चे पर रहकर एवं अपने ही खर्चे पर मूर्तिशिल्प को पूर्ण करेगा। अन्यथा विभाग द्वारा मानदेय अदायगी नहीं की जाएगी।
- अपने मशीन टूल के रिपेयर, सर्विस व सुरक्षा का कलाकार स्वयं जिम्मेवार होगा।
- कलाकार को लगभग 4X2X8 से 12 फुट या किसी अन्य बड़े साईज़ की (वर्गाकार/आयताकार/प्राकृतिक) चट्टान पर कार्य करना होगा।
- चयन प्रकिया में विभाग एवं निर्णायक मंडल का फैसला अंतिम होगा।
- मूर्तिशिल्प में कोई विशेष संयोजन हेतु अन्य माध्यम, सामग्री आदि प्रतिभागी स्वयं अपने खर्चे पर उपलब्ध करेगा। विभाग का कोई दायित्व नहीं होगा। विभाग केवल पत्थर उपलब्ध करवाएगा।

मूर्तिशिल्प

5x7''

या अन्य साईज़

Work Photo

(काम का फोटो)

मूर्तिशिल्प

5x7''

या अन्य साईज़

Work Photo

(काम का फोटो)

मूर्तिशिल्प

5x7''

या अन्य साईज़

Work Photo

(काम का फोटो)

मूर्तिशिल्प

5x7''

या अन्य साईज़

Work Photo

(काम का फोटो)

नोटः इसके अतिरिक्त अन्य शीट या अन्य फोटो प्रति संलग्न कर सकते हैं।

Attach Your Bio Data

Signature & Date